शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग

नैक से 'बी' (2.90) ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष- 1
अंक -1
नवम्बर - 2016

नारी शक्ति से राष्ट्र की छबि बनती है - प्रेमप्रकाश पांडे

महाविद्यालय में नवनिर्वाचित छात्रसंघ का शपथ समारोह उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि नारी शक्ति से संपूर्ण राष्ट्र की छवि बनती है। कालिदास की बहस विद्वोत्मा से हुई तब कालिदास विद्वान बने। लोकतन्त्र की सफलता के लिए छात्रसंघ को जागरूक होना है। मतदाता जागरूकता हेतु आपको विशेष योगदान देने की आवश्यकता है। मंत्री जी ने घोषणा की कि महाविद्यालयों की जनभागीदारी समिति में छात्रसंघ के अध्यक्ष एवं सचिव सदस्य होंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में विगत वर्षो में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हुए विकास को उल्लेख करते हुए महाविद्यालय में निर्मित हो रहे 14 अध्ययन कक्षों की जानकारी दी। कार्यक्रम

के अध्यक्षता जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्रसंघ की अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा, उपाध्यक्ष कु. नेहा साहू, सचिव कु. कोमल डडसेना तथा सहसचिव कु. निकिता पाण्डेय को शपथ दिलाई। 45 कक्षा प्रतिनिधियों ने भी शपथ ली। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते हुए विज्ञान प्रयोगशालाओं, सभागार तथा वाहन स्टैण्ड के निर्माण की मांग की तथा कन्या छात्रावास को पूरा करा कर प्रारंभ करने का अनुरोध किया। कु. रूचि शर्मा ने महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी की ओर भी मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराया।

बालिका शिक्षा के लिए बढ़े हाथ (अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट की अनुकरणीय पहल)

जिले का यह सबसे बड़ा महाविद्यालय है जहाँ बालिकाएँ उच्च शिक्षा ग्रहण करती है। यहाँ अध्ययनरत लगभग 2500 छात्राओं में अधिकांश ग्रामीण अंचल की छात्राएँ है जिनके लिए स्नातकोत्तर कक्षा तक कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय का अध्यापन होता है। इस महाविद्यालय में छात्राओं के रूचि के विषयों संगीत, नृत्य, फाईन आर्ट्स के विभाग भी संचालित है जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर छात्राएँ अपनी प्रतिभा दिखलाती है।

शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययन शुल्क कम होने के बावजूद अधिकांश निर्धन परिवार की छात्राएँ शुल्क व अन्य शुल्क जमा करने में असमर्थ हती है। शहर के अग्रसेन वेल फेयर ट्रस्ट ने इसके लिए पहल की और ''माता माधवी बालकिा शिक्षा सहायता योजना'' के तहत छात्राओं को मदद करने का संकल्प लिया।

इसका ही परिणाम है कि ट्रस्ट ने इस सत्र में 50 छात्राओं का शुल्क जमा किया और उन्हें कॉलेज बैग भी प्रदान किया इसके लिये इस सत्र में ट्रस्ट ने 72 हजार रुपये की सहायता की है जो कि अनुकरणीय है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि हम छात्राओं को परीक्षा शुल्क तथा कॉपी, किताब, बैग, कैल्कुलेटर के लिये भी सहायता करेंगे जिससे निर्धन वर्ग की छात्राएँ पढ़ाई से वंचित न हो सके। ट्रस्ट उन छात्राओं की पढ़ाई का भी जिम्मा लेगा जिनके पालक नहीं है या आर्थिक परिस्थितियों से जूझ रहे है। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने इस योजना का विस्तार से जानकारी दी तथा ट्रस्ट के इस महती कार्य पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अग्रसेन ट्रस्ट और महाविद्यालय के शिक्षकों के प्रयास को अनुकरणीय बतलाया। आज एक कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारीगणों ने उन सभी छात्राओं को जिन्हें ट्रस्ट ने आर्थिक सहायता दी है कॉलेज बैग का वितरण किया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट के चेयरमैन श्री विजय अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस महाविद्यालय की कोई भी छात्रा प्रवेश शुल्क के अभाव में शिक्षा से वंचित नहीं रहेगी तथा भविष्य में महाविद्यालय प्रशासन छात्राओं के हित में जिस तरह का भी आर्थिक सहयोग ट्रस्ट अपेक्षित रखेगा ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराया जावेगा। ट्रस्ट की ओर से आज के इस कार्यक्रम में श्री रेखचंद अग्रवाल, श्री कमल नारायण रूंगटा, श्री महेन्द्र सक्सेरिया, श्री राधेश्याम मंगल, श्री सत्यप्रकाश बंसल, श्री राधेश्याम अग्रवाल उपस्थित थे।

सम्पादक : डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति धरणे

आई.क्यू.ए.सी. का न्यूजलेटर

प्राचार्य की कलम से. . .

शासकीय डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की यह समाचार पत्रिका सत्र 2016-17 की महाविद्यालयीन गतिविधियों का दर्पण है ।

इस सत्र में विभिन्न गतिविधियाँ संपन्न हुई । इसके अलावा अनेक शैक्षणिक तथा शैक्षणेत्तर कार्यकलाप हुए । इनके माध्यम से छात्राओं की सर्जनात्मक प्रतिभा के विकास के लिए सामुचित मंच प्राप्त हुआ । इस दौरान अध्ययन अध्यापन तथा शोध के अलावा साहित्यिक सांस्कृतिक एवं खेलकूद की विविध गतिविधियाँ संपन्न हुई । इन समस्त गतिविधियाँ का विस्तृत विवरण प्रस्तुत समाचार पत्रिका में संकलित किया गया है । 2016 महाविद्यालय के लिए विशिष्ट उपलब्धियों का सत्र रहा है ।

एक उल्लेखनीय और गौरवपूर्ण उपलब्धि महाविद्यालय को नैक द्वारा 2.90 अंक प्रदान करना रहा है । साथ ही छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किए गए मूल्यांकन में बाह्य मूल्यांकन में 90 अंक प्राप्त होना है । इसके लिए महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारियों ने गहरी निष्ठा और परिश्रम किया है जो प्रशंसनीय है । महाविद्यालय की छात्राओं का विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान पाना और खेलकूद में राष्ट्रीय स्तर पर हीं नहीं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में चयन हमारी बड़ी उपलब्धि है ।

महाविद्यालय की समाचार पत्रिका का प्रकाशन पहली बार हो रहा है । इसके माध्यम से वर्ष भर की गतिविधियों का पुनर्वालोकन किया जा सकता है । इसके जरिए महाविद्यालय के विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता, उनके उत्साह और उनकी प्रतिभा और कार्यनिष्ठा की झलक भी प्राप्त की जा सकती है ।

मैं संस्था के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को महाविद्यालय के विकास एवं प्रगति में सक्रिय योगदान के लिए साधुवाद देता हूँ तथा शुभकामनाएँ प्रकट करता हूँ ।

(डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी)
प्राचार्य
शासकीय डॉ.वी.वी. पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

छात्रसंघ अध्यक्ष की बात . .

शासकीय डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या महाविद्यालय दुर्ग छत्तीसगढ़ प्रदेश के अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है । 1982 में स्थापित इस महाविद्यालय अपनी विकास यात्रा में अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की है । महाविद्यालय ने ज्ञान के प्रसार और नई पीढ़ी निर्माण के गुरूत्तर दायित्व का निर्वाह किया है । इस अंचल के सामाजिक जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले आज के अनेक बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता, खिलाड़ी, संस्कृतकर्मी, व्यवसायी आदि इस महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थी रहे है ।

इस महाविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित होना मेरे लिए गौरव की बात है । आज के परिदृश्य में शिक्षा का स्वरूप भी बदल गया है । विज्ञान और तकनीकी की उपलब्धियाँ आज शिखर पर पहुँच चुकी है । अब तकनीकी और प्रबंधन की शिक्षा का युग है ।

प्राकृतिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों पर आधारित शिक्षा का पारंपरिक ढांचा टूट रहा है । ऐसी स्थिति में शासकीय डॉ.वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग जैसी संस्थाएँ पारंपारिक विषयों में नवाचार और नवोन्मेष के जरिए ही अपनी पहचान बनाए रख सकती है । छात्रसंघ द्वारा नियमित रूप से ऐसी गतिविधियाँ संचालित की जा रही है जो हमारी युवा पीढ़ी को नई दिशा दे सके ।

इस समाचार बुलेटिन के प्रकाशन से हम छात्राओं की रचनात्मक गतिविधियों को रेखांकित करने का अवसर मिला है । छात्रसंघ इस पहल का स्वागत करता है तथा महाविद्यालय के विकास में कंधे से कंधे मिलाकर कार्य करने का संकल्प लेता है ।

समाचार पत्रिका के प्रकाशन से हमें बहुत प्रसन्नता है ।

(कु. रूचि शर्मा)
अध्यक्ष
शा.डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग

हमें कर्तव्य के प्रति जागरूक होना चाहिए - आर. शंगीता

महाविद्यालय में 2 दिवसीय कार्यशाला 'इनोवेटिव ट्रेंड एंड टेक्सटाइल डिजाईनिंग' का उद्घाटन कलेक्टर श्रीमती आर. शंगीता के द्वारा सम्पन्न हुआ। गृह विज्ञान विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में अपने उद्बोधन में कलेक्टर आर. शंगीता ने कहा कि सुंदरता बाहर की नहीं अंदर से होना चाहिए, जिंदगी में हर इंसान का अपना सम्मान है और हमें सबका सम्मान करना चाहिए और यह सब हमें संस्कार व पढ़ाई से मिलता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य ने कहा कि- टेक्सटाईल का जीवन में बड़ा महत्व है। जीवन के हर पल में मृत्यु तक इसकी उपयोगिता है। डिजाईन में भी हर क्षण परिवर्तन का दौर है। उन्होनें इस कार्यशाला के माध्यम से नये शोधों पर प्रकाश डाला जवेगा। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती वंदना के पश्चात् गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने अतिथियों को स्वागत करते हुए महाविद्यालय में कलेक्टर महोदया के प्रथम बार आगमन को उल्लेखनीय बतलाया। कार्यशला में प्रथम दिन चार तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के क्राफ्ट एवं डिजाईन विभाग के प्राध्यापक डॉ. वेंकट आर गुडे ने मुख्य विषय पर पर अपना व्याख्यान दिया? द्वितीय सत्र में नई दिल्ली के प्रसिद्ध डिजायनर एवं विशेषज्ञ श्रीमती सुधा जोशी लोहानी ने डिजाईन के तत्वों पर प्रकाश डाला।

तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में शासकीय सरोजनी नायडू कन्या महाविद्यालय भोपाल की प्राध्यापक डॉ. स्मिता जैन एवं डॉ. रंजना उपाध्याय ने श्री डी फैशन एवं कपड़ों की सजावट पर व्याख्यान दिया।

टेक्सटाईल पर राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न

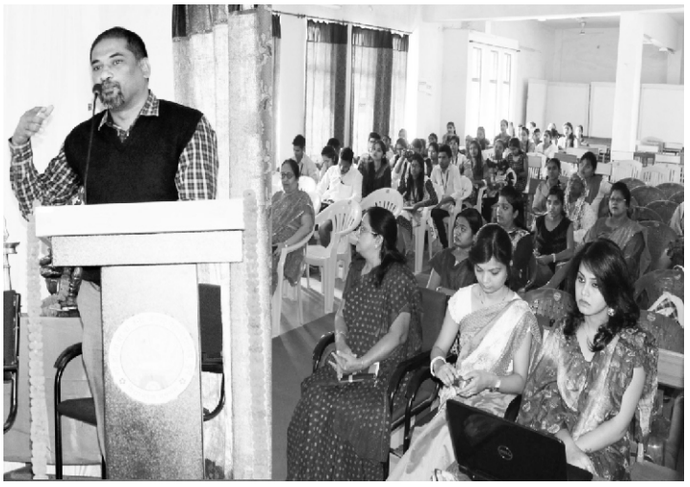

महाविद्यालय में 'इनोवेटिव ट्रेंड एंड टेक्सटाइल डिजाईनिंग' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आज संपन्न हुई। इस कार्यशाला में टेक्सटाइल टेक्नालाजी के विभिन्न क्षेत्रों पर ज्ञानपरक व्याख्यान एवं कार्यशाला हुई जिसमें कलर, टेक्चर, इमेज, थ्री-प्रिंटिंग, ज्वेलरी डिजाईन, गुजरात, लखनऊ, बिहार, आंध्रा, महाराष्ट्र प्रदेश के कांच वर्क, चिकन वर्क, मधुवनी की कला, कलमकारी, मोती वर्क पर विस्तृत चर्चा की गई।

एक ओर जहाँ डिजाइनर कपड़ों की बात की तो वहीं छत्तीसगढ़ की गोदना कला पर कार्यशाला रखी गई। धान से बनने वाली उपयोगी ज्वेलरी, साड़ियों की डिजाइन आकर्षण का केन्द्र रही।

कार्यशाला में दूसरे दिन डॉ. सरिता जोशी ने टेक्सटाईल का मेडिकल क्षेत्र में उपयोगिता पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। आई.एन.आई.एफ.डी. की श्रीमती नजमा खान ने दुपट्टे से विभिन्न डिजाइन की शैलियों के प्रकार एवं स्टाईल पर प्रशिक्षण दिया वहीं श्रीमती स्मृतिराव बघेल ने आकृति के अनुसार वस्त्रों की डिजाईन एवं रंगों का चयन पर प्रकाश डाला।

द्वितीय दिवस नई दिल्ली के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नालाजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वर्षा गुप्ता ने भविष्य के फैशन एवं टेक्सटाईल्स पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

शासकीय मिनीमाता महिला पॉलीटेक्नीक राजनांदगांव के प्राध्यापक डॉ. मृदुल रत्न चौरसिया एवं श्रीमती सविता ठाकुर ने कपड़ों के नये ट्रेंड्स तथा प्रिंटिंग एवं पेंटिग पर प्रकाश डाला एवं तकनीक की विस्तार से चर्चा की।

जलगाँव (महाराष्ट्र) के प्राध्यापक डॉ. अनिता नागलेकर एवं डॉ. दुर्गेश ने टेक्सटाईल डिजाईन पर सारगर्भित चर्चा की।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता विक्टर, शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, मालवीय नगर दुर्ग थी। उन्होनें महिलाओं को इस क्षेत्र में नये-नये शोध कार्यों एवं तकनीक के विकास में सहभागिता को उल्लेखनीय बतलाया। प्रतिभागियों ने भी अपने विचार रखे तथा कार्यशाला की प्रशांसा की। इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यलय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस कार्यशाला में प्रस्तुत किए गए थ्री-डी उपकरण के माध्यम से प्रस्तुत डिजाईन को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यशाला को मील का पत्थर बताया।

विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। संयोजक डॉ. मिनाक्षी अग्रवाल ने कार्यशाला की उपयोगिता पर विचार प्रकट करते हुए समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशमा लाकेश ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बबीता दुबे ने किया।

स्वावलम्बी होना सबसे महत्वपूर्ण है :- चंद्रिका चद्रांकर

महाविद्यालय, में तीन दिवसीय सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ दुर्ग की महापौर श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर ने किया। अपने उद्‌बोधन में उन्होनें छात्राओं से कहा कि कौशल विकास उन्नयन की महती आवश्यकता छात्राओं को है। स्वावलंबन हमारे कैरियर का महत्वपूर्ण तथ्य है। पढ़ाई के साथ-साथ यदि हम कौशल के क्षेत्र में परिश्रम करते हैं तो हमें जीवन में कोई भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्वालंबी बनना सबके हित संवर्धन के लिए आवश्यक है। श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर ने सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला को स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बताया और कहा कि इस प्रशिक्षण से छात्राएँ अपना बजट तो संतुलित करेंगी ही बल्कि इससे आर्थोपार्जन भी कर सकती है जिससे उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने की ताकत मिलेगी।

इस अवसर पर महाविद्यलय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के द्वारा कौशल विकास के लिए सतत् प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री महाविद्यालयीन कौशल विकास के जरिए विद्यार्थियों को अंग्रेजी-कम्प्यूटर का ज्ञान तथा व्यक्तित्व विकास के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा उन्होनें कहा कि महाविद्यालय में लगातार स्वावलंबन हेतु कार्यशालाओं का आयोजन शासन की मंशा के अनुरूप किया जा रहा है जिससे छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण का लाभ भी मिल सके।

सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षिका कु. निकता अग्रवाल ने बताया कि तीन दिनों में हम छात्राओं को कई तरह के सौंदर्य संबंधी प्रशिक्षण देंगें जिससे मुख्यतः मेकअप में पार्टी मेकअप, दुल्हन मेकअप, इंस्टेंट एवं वाटर प्रूफ मेकअप का प्रशिक्षण आज देंगे। इसी तरह हेयर स्टाईल में मेनपफ, डिजाइनर, हाईबन और फ्रेंच नाट। साड़ी ड्रेपिंग में स्कर्ट पैटर्न, लांचा पैटर्न, स्टाईलिस जैसे 15 प्रकार सिखाए जावेंगें।

फैशियल में डायमंड, गोल्ड व इस्टेंट फैशियत बताया जावेगा। छात्राओं को स्कीन एवं हेयर केयर के टिप्स बताए जावेंगे। छात्रसंघ के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने छात्राओं को प्रेरित करने के साथ ही पूरी व्यवस्था में सक्रिय रही है।

उन्होनें भी अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया है कि उनके सौजन्य से छात्राओं को इस तरह का प्रशिक्षण सुलभ हो सका। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। आई.क्यू.ए.सी. की संयोजक डॉ. अमिता सहगल एवं कैरियर सेल की डॉ.बबिता दुबे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन किया।

अंतरमहाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता में शास. कन्या महाविद्यालय, दुर्ग विजेता, प्रिया वर्मा टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनी

अंतर महाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता में शास. कन्या महाविद्यालय, दुर्ग विजेता रही। अन्तर महाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता जो दिनांक 2 से 5 दिसम्बर 2016 तक शास. महाविद्यालय बेमेतरा द्वारा आयोजित की गई। जिसमें आठ टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें शास. कन्या महाविद्यालय, दुर्ग को विजेता होने का गौरव हासिल हुआ। फाईनल मैंच शास. महाविद्यालय, बेमेतरा के साथ खेला गया जिसमें शास. कन्या महाविद्यालय, दुर्ग ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया, टीम ने निर्धारित 16 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 168 रन बनाये जिसमें कप्तान प्रिया वर्मा ने शानदार 1 छक्का एवं 14 चौंको की सहायता से कुल 127 रन बना कर नाबाद रही। उनका साथ दिया निशबत ने 19 रन बनाकर नाबाद रहीं। प्रिया वर्मा ने गेंदबाजी की भूमिका में हैट्रिक सहित कुल 05 विकेट हासिल किया। भंजति ने 03 विकेट, प्रीति वर्मा में 01 विकेट हासिल कर बेमेतरा की टीम को मात्र 38 रनो में समेट कर एक तरफा जीत हासिल किया। प्रिया वर्मा ने इस प्रतियोगिता में दो शतकीय पारी खेली एवं एक हैट्रिक किया, उनकी इस प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें 'मैंन ऑफ द सीरिज' एवं फाईनल में 'मैंन ऑफ द मैंच' एवं प्रीति वर्मा को 'बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब दिया गया। महाविद्यालय के स्कोर को कोई भी टीम पूरे प्रतियोगिता में नहीं पार कर पायी। सेमीफायनल मैंच में महाविद्यालय की टीम ने स्वामी स्वरूपानन्द महाविद्यालय हुडको को 23 रनों से परास्त कर फाईनल में प्रवेश किया था। इस मैच में भी प्रिया वर्मा ने शतक लगाया था।

महाविद्यालय की टीम इस प्रकार है- प्रियंका वर्मा (कप्तान), प्रिंयका ध्रुवे (उपकप्तान), प्रीति वर्मा, निशबत, निशा नागवंशी, भंजति नायक, टिकेश्वरी, धनेश्वरी, भूमिका उपाध्याय, दामिनी यादव, योगिता, लाक्ष्मी कोसे, राधा ठाकुर, एवं श्वेता चन्दाकर थी। टीम मैंनेजर डॉ. ऋतु दुबे (क्रीड़ा अधिकारी) प्रशिक्षक विमल यादव थे। महाविद्याल के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने खिलाड़ियो की इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनायें दी एवं पुरस्कृत करने की घोषणा की। क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, सदस्यों तथा छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा एवं समस्त महाविद्यालय ने खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

सम्मान एवं आयोजन

शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के त्तवाधान में 'शिक्षक दिवस' पर शिक्षक सम्मान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य के वरिष्ठ सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ. आर. के. तिवारी थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने किया । अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन का मूल आधार है । हमारे जीवन में शिक्षा का बहुत बड़ा महत्व है । ज्ञान की प्राप्ति के विभिन्न साधन उपलब्ध हो गये है लेकिन हमें अपनी इच्छा शक्ति और ज्ञान प्राप्ति के प्रति जागरुकता को बढ़ाना है । गुरू का मार्गदर्शन तभी सार्थक होगा जब हम अपना शत प्रतिशत योगदान दे सकेंगे ।

प्राध्यापक डॉ. आर के तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में बेटियों का महत्व बतलाया, उन्होंने छात्राओं से इन महत्वपूर्ण 3 वर्षों का सदुपयोग करने एवं कैरियर के प्रति गंभीर रहने को कहा । राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि शिक्षक ज्ञान का प्रकाश फैलाता है । हम सभी जीवन के हर क्षणों में अपने गुरु के बताये ज्ञान के सहारे ही सफलता प्राप्त करते है और कठिनाईयों का मुकाबला करते है । छात्रसंघ कु. रूचि शर्मा ने सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया । इस अवसर पर डॉ. आर. के. तिवारी का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया ।

महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने गुरुवंदना का प्रस्तुतीकरण दिया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा अग्रवाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. ध्रुव ने किया । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की नव प्रवेशी छात्राओं का भी स्वागत किया गया । महाविद्यालय के स्नातकोत्तर समाज शास्त्र एवं राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा भी शिक्षक दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं नृत्य विभाग की छात्राओं ने भी गुरुपूजन के साथ ही नृत्य के माध्यम से गुरुवंदना की प्रस्तुति दी । उक्त कार्यक्रम में प्राध्यापकों के साथ ही छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अनुशासन शिक्षा की महत्वपूर्ण शिक्षा सीढ़ी है । हमें महाविद्यालय में अनुशासन के साथ अध्ययन करना है जो जीवन में हमेशा साथ रहेगा । उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए नहीं बल्कि व्यक्तित्व एवं कौशल विकास का माध्यम है जिसके जरिए हम रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होते है । महाविद्यालय के विकास में विद्यार्थियों की अहम भूमिका होती है जिसके लिए सभी कृत संकल्प रहे । आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने छात्राओं को 75 प्रतिशत उपस्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी आवश्यक है । विद्यार्थी जीवन दुबारा प्राप्त नहीं होता है अतः सक्रिय सहभागिता से आप अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं । डॉ. मिलिन्द अमृतफले ने महाविद्यालय में प्रदर्शनात्मक कला में प्रतिभावान छात्राओं की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि छात्राएं चित्रकला नृत्य संगीत की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागलेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी कला का प्रदर्शन कर सकती है ।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. ध्रुव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना छात्राओं को राष्ट्र के प्रति सर्मपण भाव के साथ व्यक्तित्व विकास में सहायक होने की प्रेरणा देती है । वृक्षारोपण, मतदाता जागरुकता, स्वच्छता अभियान आदि केन्द्र की योजना को छात्राओं द्वारा क्रियान्वित किया जाता है । जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं समस्त कार्मचारियों का विशेष सहयोग रहता है । साहित्यिक प्रभारी श्रीमती ज्योति भरणे ने वर्ष भर संचालित विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए छात्राओं को साहित्यिक अभिरुचि जागृत करने हेतु प्रोत्साहित किया । डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल छात्रसंघ प्रभारी ने छात्राओं को महाविद्यालयीन चुनाव प्रक्रिया से अवगत कराया एवं सही प्रतिनिधि का सोच-समझकर चुनाव करने एवं अपने मतो का उपयोग करने का सुझाव दिया । ग्रंथपाल श्रीमती रीता शर्मा ने महाविद्यालय के ग्रंथालय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहाँ का ग्रंथालय औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा का केन्द्र है । यह अत्यन्त समृद्ध है । विषय से संबंधित पुस्तकों के अलावा अनेक पत्र पत्रिकाएं उपलब्ध है, जिससे छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकती है एवं अपनी जिज्ञासाओं को पूर्ण कर ज्ञान प्राप्त कर सकती है ।

क्रीड़ाधिकारी ने छात्राओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में खेल की सारी सुविधाएँ उपलब्ध है जिससे छात्राएं अपने आप को राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी बना सकती है एवं खेलों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित कर सकीत है, उन्होंने कहा कि परन्दि की तरह उड़ान भरो किन्तु दोनों पैर जमीन पर टीका के रखो अर्थात् जीवन की वास्तविकता को कभी न भूलो । डॉ. रेशमा लाकेश ने इन पंक्तियों के साथ आभार प्रदर्शन किया

चुम लोगे फलक की पेशानी एक दिन,
ये परिन्दों उड़ान पर रहो ।

माटी शिल्प पर कार्यशाला का समापन

छात्राओं ने बनाई गणेश मूर्तियाँ

महाविद्यालय में तीन दिवसीय 'माटी शिल्प' कार्यशाला का समापन हुआ। छात्राओं ने भारी उत्साह के बीच 200 मूर्तियाँ बनाई।

महाविद्यालय के चित्रकला विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में इंदिरा कला एवं संगीत विश्विद्यालयके कलाकारों द्वारा तीन दिन तक छात्राओं को मूर्ति बनाने, रंग करने का प्रशिक्षण दिया।

गणेश पर्व को ध्यान में रखते हुए गणेश प्रतिमा तथा विभिन्न सजावटी वस्तुएं बनाने का तरीका सिखाया गया। पर्यावरण संरक्षण के लिए इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाई गई।

कलर के लिये गेरू, पीली मिट्टी, कत्था का इस्तेमाल किया गया। छात्राओं ने विभिन्न मुद्राओं में प्रतिमाएं बनाई जो देखते बनती थी। विभागाध्यक्ष श्री योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि इन मूर्तियों को विद्यार्थी अपने घर ले जाएंगे तथा पर्व के उपरान्त घर में ही बाल्टी में विसर्जन कर गमलों में पानी को डालेंगें।

मुख्य प्रशिक्षण श्री राजेन्द्र सोनगुरिया ने बताया कि विद्यार्थियों का उत्साह देखते हुए निकट भविष्य में अन्य कलाकृति का निर्माण भी सिखाया जावेगा। इस कार्यशाला में छात्राओं के साथ शिक्षकों एवं जनभागीदारी सदस्यों का भी सहयोग मिला।

हिन्दी दिवस का आयोजन

कविता प्रदर्शनी से छात्राओं ने दी अभिव्यक्ति

हिन्दी दिवस के आयोजन पर महाविद्यालय में विविध आयोजन किए गए। स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के तत्वाधान में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. जयप्रकाश साव प्राध्यापक थे। कार्यक्रम के अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य ने की डॉ. जय प्रकाश ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हिन्दी को आत्मा से आत्मसात करने की आवश्यकता है। बार बहुभाषी देश है जिसेक कारण भाषायी एवं सांस्कृतिक विधिता दिखाई देती है। हिन्दी में र्क रंग रूप समाहित है। संस्कृतक अपभ्रंश, प्राकृत, पाली, पिंगल, खड़ी बोली से हिन्दी समृद्ध भाषा है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न साहित्यकारों के रचना संसार ने हिन्दी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. साव ने बताया कि हिन्दी विश्व की तासरी सबसे

बड़ी भाषा है जो 160 विश्वविद्यालय में पढ़ाई जाती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हिन्दी दिवस की सार्थकता तभी है जब हम हिन्दी को अपनाएं ही नहीं बल्कि विद्यार्थी अपनी सृजनशीलता का परिचय दे। अच्छा साहित्य पढ़े व लिखे भी। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी हिन्दी माध्यम के विद्यार्थी सफल हो रहा है। इस अवसर पर कविता पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई। जिससे विद्यार्थियों ने कविताओं को पोस्टरके माध्यम से प्रदर्शित किया। प्रतिष्ठित कवियों की कविताएँ भी प्रदर्शनी में लगाई गई थी जिसे सभी ने सराहा।

विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति भरणे ने किया।

आई.क्यू.ए.सी. ने लिए कई निर्णय
हाईटेक होगा पूरा सिस्टम

महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि आई.क्यू.ए.सी. के प्रस्तावों के अनुरूप महाविद्यालय को हाईटेक करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। चिप्स के सहयोग से पूरे परिसर में वाईफाई की बेहतर सेवा उपलब्ध है वहीं महाविद्यालय में डिजीटल सूचना पटल के साथ एस.एम.एस. अलर्ट सेवा भी प्रारंभ की जा रही है। छात्राओं की सुविधा के लिए वेडिंग मशीन भी स्थापित की जा रही है। आज बैठक में समन्वयक डॉ. अमिता सहगल ने महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न अकादमिक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें बताया कि छात्राओं ने छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक जागरूकता के कार्यक्रम संपादित किए है जिनमें स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता तथा रक्षात्मक उपायों के लिए कार्यशाला शामिल है। डॉ. सहगल ने बताया कि 'स्वावलंबन हेतु प्रेरित करने 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्री अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट के सौजन्य से किया गया जिसमें छात्राओं को पाककला एवं ब्यूटी पार्लर की ट्रेनिंग दी गई। डॉ. सहगल ने बताया कि 8-9 दिसबंर को कैरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विषय विशेषज्ञ रोजगार संबंधी जानकारियाँ देंगे तथा सी-मेट के द्वारा विभिन्न घरेलु उत्पाद के निर्माण का प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार के उपाय बताए जावेगें।

महाविद्यालय में हिन्दी, संगीत, रसायन, प्राणीशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र एवं माइक्रोबायलॉजी की राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियाँ जनवरी एवं फरवरी माह में आयोजित की जा रही है। नवंबर में संपन्न टेक्सटाईल्स की राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में गोदना प्रिंट एवं हस्तकला पर प्रशिक्षण दिया गया जो प्रशंसनीय रहा।

बैठक में उपस्थित प्रशासकीय सदस्य डॉ. जयप्रकाश साव, प्राध्यापक साईंस कॉलेज ने सुझाव दिया कि विद्यार्थियों में उच्चारण को लेकर काफी कमियां पाई गई है। उन्हें उच्चारण की बारीकियों पर कार्यशाला के माध्यम से जागरूक करना आवश्यक है। उन्होनें शिक्षण कार्य के लिए भी शिक्षकों को नई तकनीक एवं प्रभावशाली माध्यम के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता बतलायी।

प्रो.जयप्रकाश ने अकादमिक मूल्यांकन को सतत् रूप से जारी रखने को महत्वपूर्ण बताया तथा विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन के लिए प्रोत्साहित करने एवं प्रशिक्षित करने को कहा।

प्रशासकीय सदस्य डॉ. अंजली अवधिया, विभागाध्यक्ष, भौतिकशास्त्र शास. विज्ञान महाविद्यालय रायपुर ने सुझाव दिया कि लड़कियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। साथ ही सामाजिक सक्रियता के लिए ऐसे आयोजन किये जायें जिससे छात्राओं को समाज से जोड़ा जा सके। उन्होनें शिक्षकों को क्षेत्र की समस्याओं के अनुरूप प्रयोजना कार्य करने को आवश्यक बताया।

नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं उद्योगपति श्री कमल रूंगटा ने कहा कि अकादमिक गतिविधियों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी से संस्था का विकास होता है तथा इससे उनमें व्यक्तित्व विकास के अवसर बढ़ते है। श्री रूंगटा जी ने सामाजिक गतिविधियों में विद्यार्थियों को जोड़ने की आवश्यकता बतायी।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भाषा के क्षेत्र में स्थानीय भाषा को महत्व देने एवं छात्राओं के लिए नेतृत्व क्षमता के अवसर विकसित करने की आवश्यकता बतायी। बैठक में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. बबीता दुबे एवं डॉ. शशि कश्यप ने भी अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

मनुष्य ईश्वर की श्रेष्ठकृति है

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग के तत्वाधान में **'समाज और समुदाय'** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता साईंस कॉलेज की समाजशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. सपना शर्मा सारस्वत थी।

अपने उद्‌बोधन में उन्होनें कहा कि समाज और समुदाय एक दूसरे के पूरक है। समाज सामाजिक संबंधों का जाल है और मनुष्य उसकी महत्वपूर्ण इकाई है। जो व्यवहार और संबंधों के द्वारा उसे सुदृढ़ करता है। सामाजिक संबंध का निर्माण अन्तःक्रिया के द्वारा होता है जिसे बनाये रखने के लिए सतत् रूप से क्रियाशील होना आवश्यक है। उन्होनें बताया कि एक निश्चित भूभाग में रहने वाले व्यक्तियों के समूह को हम समुदाय के रूप में परिभाषित करते हैं। मनुष्य ईश्वर की श्रेष्ठ कृति है। जिसकी सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति समुदाय करता है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि समाज और समुदाय दोनों ही महत्वपूर्ण है। समाज हमको बहुत कुछ देता है यह हमारे विकास का साक्षी है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य सामाजिक प्राणी है जो समुदाय में रहकर अपनी आजीविका का निर्वहन तथा विकास करता है। मनुष्य की प्रवृत्ति एवं उसका व्यवहार ही उसे पृथक पहचान दिलाता है।

समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिया राकेश सिंह ने व्याख्यानमाला की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए आज के विषय की सारगर्भित व्याख्या की उन्होनें बताया कि समाज छोटी-छोटी इकाईयों से बनता है जो एक होकर समुदाय के रूप में अपनी पहचान बनाता है। कार्यक्रम का संचालन रीता ताम्रकार ने किया।

आई.सी.ए. से वाणिज्य और वित्त में कैरियर

महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा के तत्वाधान में पर श्रीनिवास ने छात्राओं को से संबंधित विशिष्ट रोजगार के बारे में जानकारी दी तथा रोज गार से जुड़े कम्प्यूटर प्रशिक्षण केबारे में अवगत कराया।

मुख्य वक्ता ने छात्राओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से संबंधित कम्प्यूटर प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी । कार्यक्रम का मंच संचालन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. के.एल. राठी ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा डॉ. शशि कश्यप ने छात्राओं को एकाउंट एवं कम्प्यूटर का प्रशिक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. वी.के. वासनिक, नेहा यादव तथा पूजा सोढ़ा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतर्गत आईसीए के द्वारा स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई जिसमें एम.काम. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. किरण वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा उन्हें इस कोर्स में 100 प्रतिशत तथा पाँच छात्राओं को 50 प्रतिशत की स्कॉलरशिप दी गई। आईसीए द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य एवं वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापकों को सम्मानति किया गया।

महाविद्यालय में विश्वकर्मा जयन्ती

महाविद्यालय, दुर्ग की पीजीडीसीए विभाग द्वारा विश्वकर्मा जयन्ती के उपलक्ष्य में विश्वकर्मा पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया । भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा प्रचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राध्यापकगण एवं छात्राओं द्वारा की गई। इस अवसर पर प्राचार्य ने विश्वकर्मा जयन्ती के महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वकर्मा जी श्रम के देवता है। इस दिन श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते है। जहाँ मेहनत वहाँ तरक्की होती है । उन्होनें विद्यार्थियों को मेहनत के लिए प्रोत्साहित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. शशि कश्यप ने विद्यार्थियों को भगवान विश्वकर्मा के बताए मार्ग में चलने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ.इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ बबीता दुबे, डॉ व्ही के वासनिक, रूमा बोस हालदर एवं नीकू साहू मौजूद थे।

छात्राओं के लिए आत्मसुरक्षा कार्यशाला आयोजित

आई. क्यू. ए. सी. के तत्वाधान में छात्राओं के व्यक्तित्व विकास एवं आत्मसुरक्षा हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 28, 29 एवं 30 सितम्बर को महाविद्यालय में किया जा रहा है।

आई क्यू.ए.सी. की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में छात्राओं को कई बार अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ता है, उन्हें आत्मरक्षा के लिए स्वफूर्त होकर कदम उठाना आवश्यक है। वहीं उनके व्यक्तित्व विकास के कई हेतु पहलु है जिन पर ध्यान देकर छात्राएँ आगे बढ़ सकती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा होगी तथा अंचल के प्रसिद्ध सेंसाई शैबाल लहरी आत्मरक्षा के लिए कराते पर प्रशिक्षण देगें।

महाविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने कार्यशाला का लाभ सभी छात्राओं को उठाने की अपील की है। कु. रूचि शर्मा ने बताया कि आगे भी नियमित रूप से कराते प्रशिक्षण केन्द्र प्रारंभ करने की दिशा में वे कार्य कर रही है। उल्लेखनीय है कि आई.क्यू.ए.सी. (महाविद्यालयीन आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ) द्वारा नियमित रूप से छात्राओं के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

युवा नीति पर विचार मंथन

महाविद्यालय में युवा नीति पर विचार मंथन करने के लिए समाजिक कार्यकर्ता सुश्री सरिता मिश्रा ने महाविद्यालयीन छात्राओं के साथ चर्चा की।

शिक्षा, उद्यमिता, रोजगार और कौशल विकास के माध्यम से देश में एक उत्पादक कार्यबल का निर्माण करना, युवाओं को तन्दरूस्ती और स्वास्थ्य जीवन शैली तथा खेलकूद की ओर उन्मुख कर एक सशक्त और स्वस्थ्य नौजवान पीढ़ी का निर्माण करना है। सामाजिक मूल्यों तथा सहभागिता के प्रति जागरूकता विकसित कर उन्हें नैतिक और सामाजिक रूप से सजग बनाना तथा राजनीति और प्रशासन में भागीदारी के माध्यम से एक सजग नागरिक बनाना है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में युवा नीति के लिए विद्यार्थियों के सुझावों का संकलन का अभियान जारी है।

इसी के तहत आज महाविद्यालय में सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री सरिता मिश्रा, श्रीमती श्वेता बख्शी एवं श्रीमती कविता तांडी ने छात्राओं को संबोधित किया और युवानीति पर सारगर्भित चर्चा की। सुश्री सरिता मिश्रा ने बताया कि युवा पीढ़ी को एक सक्षम कार्यबल के रूप में विकसित करने हेतु प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा के व्यापक प्रसार में क्षमता विकास, गुणवत्ता वृद्धि शैक्षिक सुशासन के लिए शासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। उन्होनें कहा कि युवा नीति तैयार करने में युवाओं समाज, रोजगार, राजनीति एवं आर्थिक विकास में सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जावेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे युवा नीति अभियान का मुख्य उद्देश्य अच्छे नागरिक तैयार कर उनमें साम्प्रदायिक सदभाव पैदा करना है। आज समाज में जागरूक युवा वर्ग की नितांत आवश्यकता है। हम ऐसी युवानीति तैयार करने में समर्थ होंगे जो युवाओं के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यक्रम का पूरा संचालन हिन्दी की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी युवा नीति पर अपने विचार रखते हुए रोजगारपरक शिक्षा पर जोर दिया। कु. हर्षा सहारे, निकिता पांडे, ललिता पांडे, ललिता यादव, सुषमा साहू, खुशबू, सीमा, सुमन तथा भुनेश्वरी ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएँ, शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

लक्ष्य को पूरा करना सबसे बड़ी चुनौती है - डॉ. सिंह

डॉ0 आर0एन0सिंह

डॉ0 प्रशांत बोकाड़े

डॉ0 विकास पंचाक्षरी

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत दो दिवसीय कॅरियर मार्गदर्शन कार्यशाला ''सुनहरे भविष्य की ओर'' का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला के मुख्यअतिथि डॉ. आर.एन. सिंह प्राचार्य शासकीय दिग्विजय पी.जी. महाविद्यालय, राजनांदगांव थे, अध्यक्षता श्री संतोष पराजपे, लक्ष्य एकेडमी ने की।

डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे अचंल के विद्यार्थियों में योग्यता, ज्ञान की कमी नहीं है बस सोच में कमी है, लक्ष्य को पूरा करने की चुनौती का सामना करना है। उन्होनें आत्मसम्मान, आत्मविश्ववास और आत्मनियंत्रण को बड़े ही अच्छे ढंग से रेखांकित करते हुए कहा कि हमें अपनी क्षमता को पहचानना आना चाहिए। छात्राएँ ईश्वर की सुंदर कृति है आपमें पूरी क्षमता व योग्यता है जिससे आप लक्ष्य तक पहुँच सकती है।

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ. प्रशांत श्रीधर बोकाड़े ने कहा कि हम सभी स्मार्ट है। दुनिया में हमसें अपेक्षाएँ बढ़ी है। युवाओं से ही उम्मीदे टिकी है। ''युवा कुछ करेंगे तो युवा कुछ बनेंगे। उन्होनें बताया कि हमें परिस्थितियों को अपने अनुसार ढालना आना चाहिए। सकारात्मकता की ओर ध्यान देना आवश्यक है। डॉ. बोकाड़े ने व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों की सारगर्भित चर्चा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि यह कार्यशाला स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए आयोजित की गई है, उनके लक्ष्य निर्धारण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा स्वरोजगार की दिशा तय करने में यह सहायक होगी। उन्होनें कहा कि हमें स्वयं अपनी राह चुननी है और उसके लिए लक्ष्य निर्धारित करना होगा।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे श्री संतोष परांजपे ने कहा कि लोक सेवा आयोग तथा संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी के लिए कार्यशाला उपयोगी साबित होगी। उन्होनें इसके लिए महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए।

लक्ष्य एकेडमी की छात्रा कु. श्वेता देवांगन ने भी अपने विचार रखे। दुर्ग विश्वविद्यालय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री विकास पंचाक्षरी ने व्यक्तित्व विकास पर प्रकाश डाला तथा छोटे-छोटे प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को इसका महत्व समझाया।

कार्यशाला के प्रारंभ में संयोजक डॉ. निसरीन हुसैन ने दो दिवसीय कार्यशाला के कार्यवृत्त पर प्रकाश डाला। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने कार्यशाला को छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी एवं महत्वपूर्ण बताया। छात्रसंघ के सभी पदाधिकारियों ने कार्यशाला की व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बबिता दुबे ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यशाला के दूसरे दिन सिटकॉन के विशेषज्ञों द्वारा कौशल विकास पर प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा कॉमर्स गुरू डॉ. संतोष रॉय छात्राओं को संबोधित करेगें।

रहनुमा कौन नाटक ने मचायी धूम

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग की छात्राओं ने इप्टा नाट्य समूह द्वारा आयोजित अर्न्तमहाविद्यालयीन नाट्य स्पर्धा में गुलाम हैदर मंसूरी द्वारा लिखित नाटक सहनुमा कौन का प्रदर्शन किया । जिसे स्पर्धा में तृतीय स्थान मिला ।

प्रस्तुत नाटक रहनुमा कौन युवाओं पर केन्द्रित था जिसके माध्यम से समाज की विसंगतियों को दिखाया, अपने अभिनय से छात्राओं ने सभी का दिल जीत लिया । नाटक के पात्रों ने सभागार में खूब तालियां बटोरी ।

महाविद्यालय की छात्राओं ने इप्टा की इस स्पर्धा में लगातार तीसरी बार अपना स्थान बनाया है । रंगमंच के क्षेत्र में छात्राओं के अभिनय को दर्शकों एवं निर्णायकों ने खूब सराहा है । कु. करिश्मा परवीन, नेहा साहू, निकहत अंजुम, अंजू, सुनयना सोनी, दामिनी पटेल, धनेश्वरी और मनीषा साहू ने जीवंत अभिनय किया ।

महाविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा संवाद संप्रेषण एवं अभिनय कौशल हेतु दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय में किया गया था । जिसमें मुठ्ठी थियेटर ग्रुप दुर्ग के संचालक श्री गुलाम हैदर मंसूर ने छात्राओं को अभिनय के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया । नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने नाटक का कुशल निर्देशन किया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को बधाई देते हुए का कि नाट्य के क्षेत्र में छात्राओं की अभिरूचि व अभिनय कौशल को प्रोत्साहित करने इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए । उन्होनें कहा कि भविष्य में इस क्षेत्र में कार्यशालाओं का आयोजन किया जावेगा । छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी छात्राओं की इस उपलब्धि पर बधाई दी है ।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की चुनौतियों पर व्याख्यान

शैक्षणेत्तर गतिविधियों के अन्तर्गत व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया । जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की चुनौतियाँ विषय पर आमंत्रित व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. लक्ष्मी ध्रुव प्राध्यापक साइंस कॉलेज थी ।

डॉ. ध्रुव ने स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर वर्तमान तक उलझी अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक परिस्थितियों की चर्चा करते हुए कहा कि भारत ने हमेशा मैत्रीपूर्ण नीति का पालन करते हुए सौहार्द बनाने का प्रयास किया है। उन्होनें काश्मीर का जिक्र करते हुए बढ़ते आतंकवाद को दुखद बताया ।

महाविद्यालय के प्राचार्य व्याख्यान माला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के लिए विशेष व्याख्यानों से जानकारी का लाभ मिलने को सार्थक बताया ।

विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े ने राजनीति शास्त्र परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी । इसी श्रृंखला में भूगोल परिषद का उद्घाटन भी संपन्न हुआ । इस अवसर पर डॉ. सुषमा यादव, प्राध्यापक साइंस कॉलेज ने स्टॉक होम सम्मेलन पर सारगर्भित व्याख्यान दिया । विभागाध्यक्ष संघमित्रा डोंगरे ने विभाग की गतिविधियों पर प्रकाश डाला तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यो की चर्चा की तथा वाल मैगनीज मिल्की वे के बारे में बताया । भूगोल परिषद की अध्यक्ष कु. धनवंतरी सोरी ने धन्यवाद दिया । कु. भावना ने कार्यक्रम का संचालन किया ।

कौन बनेगा चैम्पियन (केबीसी)

वाणिज्य विभाग की छात्राओं ने स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय भिलाई द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालयीन प्रतियोगिता (KBC Kaun Banega Champion) में हिस्सा लिया एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया । चार छात्राओं की इस टीम के प्रतिभागी रही कु. किरण वर्मा (एम.काम.तृतीय सेमे.) कु. अनुकृति सिद्दर (बीकॉम प्रथम वर्ष), कु ज्योति चौधरी (बी.काम. प्रथम वर्ष) कु. निशा सिंह (बी. कॉम. प्रथम वर्ष)

इनकी इस उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बधाईदेते हुए निरन्तर आगे बढ़ते रहते हुए प्रोत्साहित किया ।

वाणिज्य विभाग के प्राध्यापकों ने एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने विजेता छात्राओं को बधाई दी ।

मतदाता जागरूकता पर विभिन्न आयोजन

महाविद्यालय में '**स्वीप कार्यक्रम**' के अंतर्गत मतदाता जागरूकता पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

'**अधिनायक तंत्र में मीडिया तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता शासन की इच्छा पर निर्भर होती है**' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें कु. भावना ने प्रथम स्थान तथा कु. करिश्मा परवीन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

निबंध प्रतियोगिता जिसका विषय था - ''लोकतंत्र में राजनैतिक समानता का महत्व'' में काफी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया बी.कॉम. प्रथम की **कु. मानसी यादव ने प्रथम** तथा पायल वर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

''इस सदन की राय में लोकतंत्र को सफल बनाने हेतु जनभागीदारी आवश्यक है'' विषय पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष में कु. पार्वती साहू प्रथम तथा विपक्ष में **कु. चंचल ताम्रकार प्रथम** रही जबकि द्वितीय स्थान पर कु. करिश्मा तथा नेहा साहू रही।

नारा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें प्रतिभा भट्टाचार्य एवं डॉली सोनी ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रजातंत्र की सफलता पर ''बुलेट पर बैलेट भारी'' की सार्थकता को प्रदर्शित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति छात्राओं ने दी जिसे खूब सराहा गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को बधाई दी है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. व्ही.के वासनिक ने बताया कि सभी पुरस्कृत छात्राएँ जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 11 नवंबर को भाग लेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

योजना इकाई के तत्वाधान में छात्राओं ने जहाँ स्वच्छ परिसर अभियान चलाया वही छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने नेतृत्व में छात्राओं ने स्वच्छता संबंधी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

''स्वच्छता और जनजागरूकता विषय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। एम.ए. राजनीति शास्त्र की कु. पायल वर्मा ने प्रथम तथा कु. करिश्मा परवीन और कु. प्रतिभा भट्टाचार्य ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि स्वच्छता अभियान हमारी दैनिक जीवन में शामिल होना चाहिए। इसके लिए बिना जनजागरूकता के सफलता नहीं मिलेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ प्राचार्य ने दिलाई तथा राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार वल्लभ भाई पटेल विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने कु. रूचि शर्मा के नेतृत्व में दुर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एकता दौड में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया। आभार प्रदर्शन डॉ. सीमा अग्रवाल ने किया।

बैंकिंग सर्विस कोचिंग आयोजित

कॅरियर प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में एक माह का ''बैंकिंग सर्विस कोचिंग'' का समापन हुआ।

प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. निसरीन हुसैन ने बताया कि हाल ही में बैंकिंग सेक्टर में बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध हुए है।

आई.बी.पी.एस. तथा ग्रामीण बैंकों के लिए हजारों की संख्या में वेकेंसी निकली है। इसी को ध्यान में रखकर महाविद्यालय द्वारा एक माह की निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था छात्राओं के लिए की गई।

भिलाई की विजय-ज्योति एकेडमी के द्वारा प्रतिदिन बैंकिंग परीक्षा में घटक, अंग्रेजी ज्ञान,सामान्य ज्ञान, गणितीय योग्यता, तर्क शक्ति आदि पर छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।

03 सितम्बर से 05 अक्टूबर तक चले कोचिंग सत्र का समापन समारोह आयोजित किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि - नियमित पढ़ाई के साथ-साथ रोजगार की दिशा में तैयारी प्रारंभ कर देनी चाहिए। नियमित रूप से अखबार पढ़ने की आदत से सामान्य ज्ञान की तैयारी स्वतः हो जाती है। उन्होनें कहा कि महाविद्यालय में नियमित रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कक्षाएं आयोजित की जायेंगी।

विजय-ज्योति एकेडमी के श्री विजय कुमार एवं राकेश तलरेजा ने छात्राओं के उत्साह की चर्चा करते एक माह के कोचिंग सत्र को सार्थक बताया तथा कहा कि परीक्षाओं में निश्चित रूप से यहाँ की छात्राएँ सफल होगी। प्लेसमेंट सेल की सदस्य डॉ. बबिता दुबे ने संचालन करते हुए छात्राओं को भी उनके विचार जानने के लिए आमंत्रित किया। छात्राओं ने एक स्वर में एकेडमी के प्रशिक्षक राकेश तलरेजा की प्रशंसा की तथा कहा कि उन्होनें हमें बैंकिंग सर्विस परीक्षा के लिए अच्छा मार्गदर्शन दिया है जिसे हम सार्थक करेंगे।

आभार प्रदर्शन प्लेसमेन्ट की सदस्य डॉ. अनुजा चौहान किया। डॉ. मोनिया राकेश एवं डॉ. लता मेश्राम ने प्रशिक्षण सत्र में छात्राओं को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरीत किए गए।

''एड्स दिवस पर रैली निकली''

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तार महाविद्यालय, दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विश्व एड्स दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर प्रातः 11:00 बजे महाविद्यालय परिसर से छात्राओं ने विशाल रैली निकाली तथा नारों के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। रैली का नेतृत्व रासेयो अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि एड्स जागरूकता के लिए रासेयो एवं सामाजिक संगठनों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। उन्होनें कहा कि एड्स से बचने का सरल उपय उसके प्रति जानकारी का होना ही है। उन्होनें कहा कि एड्स जिसका वर्तमान में कोई ईलाज नहीं है लेकिन सजकता से हम एच.आई.व्ही. संक्रमण से बचे रह सकते है। जनमानस तक एड्स के संबंध में व्याप्त गलत धारणाओं से भी बचने के लिए जागरूकता की जरूरत है तथा उन्हें इसके लक्षणों और बचाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारीयाँ देना भी आवश्यक है।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने भी छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता के लिए भी समय देने एवं उपायों की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने का आव्हान किया।

एड्स दिवस पर रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

लीलिमा सोनी राष्ट्रीय चैम्पियन बनी

महाविद्यालय की, बी.एस.सी. भाग-3 छात्रा कु. लिलिमा सोनी ने उस समय महाविद्यालय के गौरव में एक और कड़ी जोड़ दी जब उन्होनें सूरत में आयोजित राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग प्रतियोगिता में लगातार सभी राउंड में जीत हासिल करते हुए गोल्ड मेडल जीता। लीलिमा सोनी 57 कि.ग्रा. वर्ग में राष्ट्रीय चैम्पियन बनी।

कु. लीलिमा का मुकाबला अन्तर्राष्ट्रीय चैंपियन से हुआ। कु. लीलिमा ने शुरू से ही बढ़त बनाये रखी। इसके पूर्व इन्होनें आगरा में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ। कु. लीलिमा बताती है कि उन्होनें गोल्ड मेडल के लिए कड़ी मेहनत की है। अब उन्हें नेशनल टीम में जगह बनाई है तथा वे थाईलैण्ड में होने वाली चैम्पियनशीप में भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए इन्हें महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति द्वारा आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।

उन्होनें अपने कोच तथा महाविद्यालय के प्राचार्य, जनभागीदारी समिति एवं क्रीड़ा अधिकारी का आभार माना है जिसके कारण उन्हें सफलता मिली है। कु. लीलिमा की इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा क्रीडा अधिकारी डॉ. रीतु दुबे एवं छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने बधाई दी है।

हैण्डबाल में चौथी बार चैम्पियन बना

अर्न्तमहाविद्यालयीन हैण्डबाल प्रतियोगिता में चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया है। लगातार चौथे वर्ष भी महाविद्यालयीन की टीम ने अपना प्रथम स्थान बनाये रखा।

मनसा महाविद्यालय, भिलाई में आयोजित इस सत्र की अर्न्तमहाविद्यालयीन हैण्डबाल प्रतियोगिता के फाइनल में महाविद्यालय की टीम ने मनसा महाविद्यालय को 19-12 से पराजित किया । इसके पूर्व खेले गए सेमी फाइनल मैच में भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर-9 की टीम को इस महाविद्यालय की टीम ने 17-03 के बड़े अंतर से परास्त किया।

महाविद्यालय की टीम में रजनी, इन्दू, प्रिया और रेवती ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। जबकि भजन्ति, कृतिका, निशबत, भूमिका, तृप्ति, लक्ष्मी, दामिनी और कोमल ने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाई।

टीम की सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, क्रीडाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.डी.सी. अग्रवाल एवं छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने बधाई दी।

एथलेटिक्स में अर्चना साहू अव्वल

महाविद्यालय की छात्रा कु. अर्चना साहू ने एथलेटिक्स स्पर्धा में अपन कीर्तिमान जारी रखा ।सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय में आयोजित उच्च शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय एथलेटिक्स स्पर्धा में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया । इसके अन्तर्गत गोला फेंक तथा तवा फेंक प्रतियोगिता में बी.कॉम. तृतीय वर्ष की छात्रा कु. अर्चना साहू ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया । अर्चना ने गोला फेंक में 7.50 मीटर तथा तवा फेंक में 20.53 मीटर का रिकार्ड दर्ज कराया । इसी तरह 100 एवं 200 मीटर दौड़ में कु. इंदू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । 400 मीटर की दौड़ में बी.ए. प्रथम वर्ष की कु. भजंति नायक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । छात्राओं की सफलता के लिए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं क्रीडा अधिकारी कु. ऋतु दुबे ने बधाई दी है । छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें छात्रसंघ से पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

स्वास्थ्य जागरूकता पर 6 दिवसीय व्याख्यानमाला

महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग के तत्वाधान में स्वास्थ्य जागरूकता पर 6 दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया । इसके अन्तर्गत विभिन्न रोगों के प्रति सर्तकता बरतने एवं बचाव पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए गए । दिनांक 17 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक आयोजित इस 6 दिवसीय जागरूकता कार्यशाला में भिलाई महिला महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. भावना पाण्डे ने नेनोटेक्नालॉजी पर अपना व्याख्यान दिया । उन्होंने नेनोटेक्नालॉजी क्या है ? तथा इसके द्वारा कैंसर जैसी गंभीर बिमारियों का इलाज कैसे होता है तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस टेक्नालॉजी के बढ़ते प्रयोग पर प्रकाश डाला ।

शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय की प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. रेणु महेश्वरी ने स्वास्थ्य प्रबंधन एवं प्रचलित बिमारियों की रोगथाम पर प्रकाश डालते हुए बढ़ते प्रदूषण पर चिंता प्रकट की तथा जिसके द्वारा फैल रही विभिन्न बिमारियों की चर्चा की । उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत किए जा रहे प्रयासों को बेहतर बताते हुए सभी को सक्रियता से जुड़ने का आव्हान किया ।

इसी क्रम में डॉ. हेमा कुलकर्णी ने रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता पर बोलते हुए विद्यार्थियों को बताया कि यदि हमारे शरीर के रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता कमजोरी होगी तो शीघ्र ही हमे बिमारियाँ पकड़ लेगी । उन्होंने एड्स पर भी विस्तार से चर्चा की तथा इससे बचने के उपाय तथा सामाजिक जागरूकता के महत्व को बतलाया । कार्यशाला के चौथे दिन विषय विशेषज्ञ डॉ. अल्का मिश्रा ने रक्त संबंधित विभिन्न बिमारियों पर व्याख्यान दिया उन्होनें बताया कि अनवांशिकता के कारण भी ये बीमारियाँ पीढ़ी दर पीढ़ी पहुँच जाती है । डॉ. अलका मिश्रा ने रक्त समूह तथा रक्त प्रवाह की कार्य प्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

व्याख्यानमाला में शासकीय महाविद्यालय वैशालीनगर की प्राध्यापक डॉ. शिखा श्रीवास्तव ने बैक्टिरियल एवं वायरल संक्रमण पर व्याख्यान दिया ।

उन्होनें इसके प्रसार व रोकथाम पर विस्तार से चर्चा की । डॉ. श्रीवास्तव ने जीवाणु संक्रमण के विभिन्न प्रकार एवं कार्य प्रणाली पर विद्यार्थियों को अवगत कराया ।

इस 6 दिवसीय व्याख्यान माला के समापन पर प्राणीशास्त्र की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुधा अग्रवाल ने औषधीय पौधों की उपयोगिता पर विशेष व्याख्यान दिया ।

उन्होनें इसके प्रसार व रोकथाम पर विस्तार से चर्चा की । डॉ. श्रीवास्तव ने जीवाणु संक्रमण के विभिन्न प्रकार एवं कार्य प्रणाली पर विद्यार्थियों को अवगत कराया ।

इस 6 दिवसीय व्याख्यान माला के समापन पर प्राणीशास्त्रकी वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. सुधा अग्रवाल ने औषधीय पौधों की उपयोगिता पर विशेष व्याख्यान दिया ।

उन्होनें कई ऐसे पौधों के विषय में बतलाया की हमारे आसपास पाये जाते है और जिनका महत्व हमारे जीवन से बहुत अधिक है । तुलसी, एलोवेरा विषय पर चर्चा करते हुए उन्होनें बताया कि एलोवेरा से त्वचा से संबंधित बीमारियों का इलाज किया जाता है ।

तिनपनिया, कालीमिर्च का मिश्रण बनाकर पाचनतंत्र मजबूत होता है । इस छः दिवसीय कार्यशाला में छात्राओं को अचंल के प्राणीशास्त्र के विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान का लाभ मिला वहीं विभिन्न रोगों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई तथा बचने के उपाय भी जान पाये ।

इस कार्यशाला का संयोजन प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. निसरीन हुसैन ने किया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला को जन जागरूकता के लिए उल्लेखनीय बताते हुए छात्राओं के लिए लाभदायक बतलाया । उन्होनें कहा कि हम सतर्क व सावधान रहकर ही विभिन्न बिमारियों से बच सकते है । स्वच्छता अभियान के माध्यम से हम विभिन्न बिमारियों से बच सकते है जिससे युवा पीढ़ी को आगे आकर सक्रिय भूमिका निभानी है । इस व्याख्यान माला में एम.एस.सी एवं बी.एस.सी. की छात्राओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित रही ।

सफलता के लिए जुनून आवश्यक - डॉ. संतोष राय

कॅरियर मार्गदर्शन कार्यशाला 'सुनहरे भविष्य की ओर' के दूसरे दिन कॉमर्स गुरू डॉ. संतोष राय ने अपना प्रभावी उद्‌बोधन दिया। उन्होनें छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन सृष्टि का नियम है हमें रूढ़ीवादी विचारधारा, नकरात्मक विचारों को निकाल फेंकना है। सफलता तभी मिलती है जब जुनून होता है। हमें सफल होना है तो रूचि, पसंद और सकारात्मकता की ओर सोचना होगा। उन्होनें कहा कि हमें आम नहीं खास बनना है इसके लिए एक जिद् होनी चाहिए जो हमें मंजिल तक पहुँचा सके। जिद् सकारात्मक होनी चाहिए। सीखने को जहाँ से मिले सीखो। अपने प्रभावी अंदाज में डॉ. राय ने छात्राओं में नया उत्साह एवं ऊर्जा का संचार किया।

कार्यशाला में श्री आशीष कुमेटी, लक्ष्य एकेडमी ने छात्राओं को छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग की परीक्षा के संबंध में जानकारी दी। उन्होनें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा साक्षात्कार के तीनों चरणों की विस्तृत चर्चा करते हुए इस परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विद्यार्थियों को परीक्षाओं की तैयारी के साथ ही अपने कैरियर के प्रति भी सचेत रहने की बात कही। उन्होनें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ स्नातक स्तर की 'अंग्रेजी भाषा' की तैयारी के लिए शीघ्र ही विशेष कक्षाएँ प्रारंभ करने की जानकारी दी। द्वितीय सत्र में सिटकॉन के श्री हेमंत घोटे ने शासन की विभिन्न कौशल विकास की योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा लघु उत्पादों के निर्माण की तकनीक बताई। उन्होनें विभिन्न लघु उत्पाद के अन्तर्गत फिनॉयल, मोमबत्ती, डिटर्जेन्ट पावडर, सोप बनाने की विधि को भी छात्राओं को सिखाया। जिसे बड़े, उत्साह से छात्राओं ने सीखा। श्री घोटे ने स्वरोजगार हेतु विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचाना डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. लता मेश्राम ने किया। कार्यशाला के अंत में छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार दिनांक 31 अक्टूबर 2016 से 05 नवंबर 2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय ''**ईमानदारी को प्रोत्साहन देने तथा भ्रष्टाचार उन्मूलन में जनसहभागिता**'' था।

सर्वप्रथम समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शपथ दिलाई।सप्ताह में छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भ्रष्टाचार उन्मूलन में जन सहभागिता पर छात्राओं को प्रभावशाली वक्तव्य दिया।

भारत सरकार के उपक्रम फोटो स्कैप निगम लिमिटेड भिलाई द्वारा छात्राओं के लिए ''सत्यनिष्ठा के प्रोत्साहन एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन की दिशा में जनसहभागिता'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कंपनी की ओर से छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। निबंध प्रतियोगिता में कु. पायल वर्मा ने प्रथम कु. करिश्मा परवीन ने द्वितीय तथा कु. तृष्णा नायर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि कु. अनुपमा ठाकुर, प्रतिभा भट्टाचार्य, कु. भानुप्रिया को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कु. रूचि शर्मा छात्रसंघ अध्यक्ष को विशेष पुरस्कार दिया गया। फोटो स्केप लिमिटेड के अधिकारीगण इस अवसर पर उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने संबोधन में अपने जीवन में ईमानदारी से कर्त्ताव्य का निर्वहन करने के सुख को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

जनभागीदारी ने लिए कई निर्णय

महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति की बैठक में प्राचार्य श्री सुशीलचन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि जनभागीदारी समिति के उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा की सक्रियता की सराहना की।

समिति के प्रभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल ने बैठक में एजेण्डा प्रस्तुत किया। विचार विमर्श के बाद कई योजनाओं की स्वीकृति दी गई। जिसमें प्रमुखतः समिति के प्रयासों से प्रारम्भ पीजीडीसीए पाठ्यक्रम के इस सत्र से प्रारम्भ करने के लिए कम्प्यूटर, किताबों तथा फर्नीचर की स्वीकृति प्रदान की गई है।

विद्यार्थियों के लिए नए परिचय पत्र तथा एस.एम.एस. अलर्ट सिस्टम के लिये भी सहमति दी गई। शासन की मंशा के अनुरूप महाविद्यालयीन भवन में वाटर हार्वेस्टिंग के लिये राशि स्वीकृत की गई।

इस सत्र में छात्राओं के कॉमन रूम की साज-सज्जा एवं सुविधाओं के लिए राशि की स्वीकृति के साथ फोटोकापी की सुविधा देने का निर्णय लिया गया।

साईंस ब्लॉक में विद्युतीकरण तथा अन्य मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाने का निर्णन लिया गया।

जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं के सम्बन्ध में उच्च शिक्षा मंत्री जी से चर्चा कर निराकरण करवाने की बात कही।

सदस्य श्री विनोद मून ने भी विभिन्न विकास कार्यों की सराहना करते हुए जनभागीदारी समिति के द्वारा निरन्तर प्रयास करने का आश्वासन दिया।

डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने आभार प्रदर्शन किया तथा इस बैठक में श्रीमती आशा यादव, श्रीमती राती मेश्राम, श्री राजेश अग्रवाल, विनोद मून, श्री आलोक तिवारी, श्री राकेश ठाकुर, श्री मनोज सोनी, शैलेष बैरागढ़े, डॉ. के एल.राठी उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को ग्रामीण अंचल में सेवा करनी चाहिए :- डॉ. दीक्षित

महाविद्यालय, का सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर ग्राम महमरा में संपन्न हुआ।

समापन समारोह दुर्ग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 एन.पी. दीक्षित के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। अध्यक्षता राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. आर.पी. अग्रवाल ने की।

छात्राओं को संबोधित करते हुए डॉ. दीक्षित ने कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ग्रामीण अंचल में जाकर सेवा कार्य करना चाहिए। उन्होनें दूरस्थ ग्रामीण अंचल में जन-जागरूकता के कार्यक्रम संचालित करने की आवश्यकता बतलाते हुए युवा पीढ़ी को आव्हान किया कि वे अपनी शक्ति का उपयोग 'सेवा' कार्य में लगाए।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि - ''स्वच्छ भारत अभियान'' के तहत आयोजित इस शिविर में रासेयो की छात्राओं ने सात दिनों में जन-जागरूकता के कार्यों में सक्रिय भागीदारी दी है जो प्रशंसनीय है।

रासेयो के समन्वयक डॉ.आर.पी. अग्रवाल ने कहा कि सात दिवसीय शिविर में हम घर से बाहर रहकर ग्रामीण परिवेश में बहुत कुछ सीखते है। उन्होनें कहा कि हमने क्या किया महत्वपूर्ण नहीं है जितना हमने क्या सीखा है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि शिविर में छात्राओं ने प्रतिदिन श्रमदान, सर्वेक्षण, प्रभातफेरी, ग्रामीण व बच्चों को प्रोत्साहित करने विभिन्न प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बौद्धिक चर्चा के अंतर्गत दोपहर में प्रतिदिन विशेषज्ञों के व्याख्यान अयोजित किए गए जिनमें श्री प्रफुल्ल पटेल का स्वालाम्बन पर तथा श्रीमती ऊषा किरण द्वारा व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान दिया गया जिसे सभी ने सराहा।

नशामुक्ति तथा गौरक्षा पर विशेषज्ञों द्वारा फिल्म प्रदर्शन के द्वारा ग्रामीणों को प्रेरित किया गया।

मंगलम हॉस्पिटल के डॉ. सुभाष तिवारी की टीम ने रक्त परीक्षण शिविर लगाकर ग्रामीणों का रक्त परीक्षण किया गया। शिविर में प्रतिदिन मार्शल आर्ट की नेशनल रेफरी कु. श्वेता ध्रुव द्वारा मिक्सड मार्शल आर्ट पर छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न उपाय बताए गए। कु.भोजकुमारी ने भी छात्राओं को मार्शल आर्ट के गुरू सिखाए। पशुचिकित्सक डॉ. अर्चना जैन ने पशुओं के संरक्षण एवं संवर्धन पर ग्रामीणों को महत्वपूर्ण जानकारी दी।

रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी गई जिसमें स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। ग्राम पंचायत के सरपंच श्री जगन्नाथ यादव तथा शाला के प्राचार्य एवं ग्रामीणों ने विशेष सहयोग दिया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा, कु. डाली सोनी, कु. निधि चन्द्राकर, कु. केसरी, कु. टामेश्वरी ने सक्रिय भूमिका निभायी। महाविद्यालय के कर्मचारी श्री विमल यादव, विजय चन्द्राकर ने शिविर की व्यवस्था में सहयोग दिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस एवं स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया

छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवा़डा का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में छात्राओं ने जहाँ स्वच्छ परिसर अभियान चलाया वही छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने नेतृत्व में छात्राओं ने स्वच्छता संबंधी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

''स्वच्छता और जनजागरूकता विषय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया। एम.ए. राजनीति शास्त्र की कु. पायल वर्मा ने प्रथम तथा कु. करिश्मा परवीन और कु. प्रतिभा भट्टाचार्य ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि स्वच्छता अभियान हमारी दैनिक जीवन में शामिल होना चाहिए। इसके लिए बिना जनजागरूकता के सफलता नहीं मिलेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ प्राचार्य ने दिलाई तथा राष्ट्रीय एकता के प्रतीक सरदार वल्लभ भाई पटेल विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने कु. रूचि शर्मा के नेतृत्व में दुर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एकता दौ़ड में हिस्सा लिया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया। आभार प्रदर्शन डॉ. सीमा अग्रवाल ने किया।

सात दिवसीय रा.से.यो. शिविर प्रारंभ

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय शिविर समीपस्थ ग्राम महमरा में प्रारंभ हुआ। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने किया। अपने उद्बोधन में श्रीमती वर्मा ने कहा कि शिविर से काफी कुछ सीखने को मिलता है। हम ग्रामीण परिवेश से परिचित होते है तथा वहाँ की समस्याओं से साक्षात्कार होता है। श्रमदान के माध्यम से तथा जन-जागरूकता के कार्यक्रमों के द्वारा सेवा का अवसर मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की। डॉ. तिवारी ने कहा कि ''स्वच्छ भारत अभियान'' को रेखांकित कर इन सात दिनों में स्वास्थ्य जागरूकता एवं पर्यावरण सर्तकता पर विभिन्न आयोजन किए जावेगें, निसंदेह इससे सभी को सीखने को मिलेगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल उद्देश्य ही युवाओं को समाज से जोड़ने का है।

शिविर में ग्रामीणों के लिए ''दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से किया गया, जिससे ब़डी संख्या में ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों ने परीक्षण कराया। डॉ. राम तिवारी की टीम ने लगातार चिकित्सा कार्य में लगे रहे। रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने शिविर की सारी तैयारी पूर्ण होन की जानकारी देते हुए सात दिवसीय कार्य योजना की जानकरी दी।

इस अवसर पर ग्राम के सरपंच, पंच प्राथमिक शाला की प्रधान पाठिका, शिक्षकगण के साथ ही महाविद्यालय के डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी डॉ. मिलिंद अमृतफले, छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा उपस्थित थी।

विश्व दिव्यांग दिवस पर विशेष

मूकबधिर छात्राओं की अभिव्यक्ति प्रशंसनीय

एक मात्र ऐसा महाविद्यालय जहाँ भारतनाट्यम शास्त्रीय नृत्य शैली स्नातक स्तर पर विषय के रूप में पढ़ाई जाती है और एक विशेषता यह भी कि यहाँ मूक-बधिर छात्राएँ भी इसे सीख रही है । इस सत्र में 6 छात्राएँ यहाँ अध्ययनरत है :-

कु. केसर बानो बीए. भाग-2, कु. फरहीन बानो बीए. भाग-1, कु.गरिमा सक्सेना बी.ए.-2 एवं कु. पूनम सोनी बी.ए. भाग-3 भी नृत्य सीख रही है ।

इन छात्राओं ने अपनी प्रतिभा के दन पर अलग पहचान बना रखी है । वार्षिकोत्सव हो या बौद्धिक या सांस्कृतिक स्पर्धा सबमें ये छात्राएँ आगे रहती है । जो छात्राएँ न बोल पाती है न सुन पाती है उन्हें इशारे से ताल से ताल मिलाते देख सभी भाव विभोर हो जाते हैं ।

गर्ल्स कॉलेज की नृत्यु विभाग की प्रोफेसर डॉ. ऋचा ठाकुर बताती है नृत्य जैसे ताल एवं स्वर से परिपूर्ण विषय को सीखना एवं सिखाना बहुत कठिन है । उनका कहना है कि उनके अध्यापन के अनुभव में यह बहुत चुनौती पूर्ण कार्य था । शुरूआत में नृत्यु सिखाने से पहले उन्हें भी मूक भाषा संकेत सीखना पड़ा तभी उनसे सीधे संवाद स्थापित किया जा सकता था । इसमें विशेष ध्यान यह देना होता है कि उन्हें अपनी दिव्यांगता का अहसास न हो । उन्हें सामान्य छात्राओं के साथ सिखाया जाता है । ये छात्राएँ हर विद्या में पारंगत है । चित्रकला रंगोली, मेहन्दी, पाककला सभी स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर पुरस्कृत हुई है ।

डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष बीए भाग-1 में डाऊन सिन्ड्रोम से ग्रसित छात्रा गरिमा ने प्रवेश लिया है । जो स्कूल के समय से ही नृत्य सीख रही है । वह केन्द्र सरकार से सम्मानित हो चुकी है । महाविद्यालय की छात्रा सुदीप्ता विश्वास ने तो विश्वविद्यालयीन युवा उत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त किया है ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने बताया कि मूकबाधिक छात्राएँ बड़े उत्साह एवं लगन से सीखती है । महाविद्यालय के हर आयोजन में ये आगे बढ़कर भाग लेती है । ये छात्राएँ सांकेतिक भाषा समझती है । विशेषज्ञों की माने तो पालक यदि सांकेतिक भाषा का इस्तेमाल बचपन से करेंगे तो वे धीरे-दीरे चिन्हों के सहारे हिन्दी अच्छे से सीखा सकते हैं । अगर शुरू से बेहतर कम्यूनिकेशन हो ते बधिर बच्चे आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर बन सकते हैं ।

महाविद्यालय में अध्ययनरत कु. फरहीन बानो एवं कु. केशर बानो ने ढेरों पुरस्कार जीते है। नृत्य के आलावा ये छात्राएँ चित्रकला में भी अव्वल है । केशरबाने ने तो बॉस्केटबाल एवं डिस्क थ्रो में राष्ट्रीय स्तर पर खेला है ।

महाविद्यालय की छात्रसंघ कु. रूचि शर्मा बताती है कि ये छात्राएँ महाविद्यालय का गौरव है । नेहरू युवा केन्द्र के द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उन्होंने बेहतरीन प्रस्तुति दी है ।

मुठ्ठी थियेटर के कार्यक्रम बोलो युवा में इन मूक बधिर छात्राओं के कार्यक्रम से सभी भाव विभोर हो गए थे । रूचि शर्मा कहती है कि हम सबको इन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए । महाविद्यालय द्वारा इन छात्राओं के लिये विशेष प्रयास किए जाते हैं जो प्रशंसनीय है ।

छात्रसंघ पदाधिकारी (2016-17)

कु.रूचि शर्मा (अध्यक्ष)

कु. नेहा साहू (उपाध्यक्ष)

कु. कोमल डडसेना (सचिव)

कु. निकिता पांडे (सहसचिव)

महाविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में कुल 1685 मतदाताओं में से 603 ने मतदान किया। प्राचार्य ने बताया कि अध्यक्ष पद पर कु. मेघा शुक्ला को 165 तथा कु.रूचि शर्मा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद के लिये कु. नेहा साहु (एम.एस.सी.) को 173 तथा कु. नेहा साहू (एम.ए.) को 422 मत प्राप्त हुए। कु. नेहा साहू (एम.ए. अर्थशास्त्र) निर्वाचित हुई। सचिव पद के लिए हुए चुनाव में कु. जीनत को 173, कु. कोमल डडसेना को 209 तथा कु. सोनाली रामटेके को 206 मत प्राप्त हुए। कु. कोमल डडसेना निर्वाचित हुई। सहसचिव पद में कु. निकिता पांडे को 297 तथा कु. रिया कश्यप को 293 मत प्राप्त हुए। कु. निकिता पांडे सहसचिव बनी। केवल 2 कक्षाओं में कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव हुआ। बीएससी प्रथम गृह विज्ञान में कु. शिवानी बर्मन तथा बी.काम कक्षा एक (ए) में कु अजंली साहू निर्वाचित हुई। चुनाव परिणाम के बाद छात्राओं ने का परिचय देते हुए आपस में बधाईयाँ दी।

'रक्षाटीम' सुरक्षित भविष्य के लिए - सुरेशा चौब

वूमेन सेल के तत्वाधान में वूमेन हेल्पलाईन (रक्षाटीम) के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें एडिशनल एस.पी. श्रीमती सुरेशा चौबे तथा मोनिका पांडे उपस्थित थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती सुरेशा चौबे ने कहा कि हमारा यह कार्यक्रम जागरूकता के साथ ही आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक है। आज के सामाजिक परिवेश में लड़कियाँ स्वालंबी, आत्मनिर्भर एवं निडर बने यह सब चाहते है किंतु हम स्वयं 'जाने दो' कह कर हर छोटी-छोटी घटनाओं को टाल कर मुक्त हो जाते है। बाद में यह छोटी-छोटी घटनाएँ बड़ी घटना में तब्दील हो जाती है, जो घातक होती है। उन्होनें बताया कि यदि आप कुछ बर्दाश्त कर रही है तो फिर समाज में आगे कैसे बढ़ेगीं आपमें यदि हिम्मत नहीं है तो किसी की मदद या सहायता भी नहीं कर सकेगी। हमें

सामाजिक परिवर्तन लाना है और यह तभी संभव है जब आप जागेंगी। हमें अब आगे आना ही होगा। इस अवसर पर श्रीमती मोनिका पाण्डे ने अपना ओजस्वी संबोधन दिया। उन्होनें रक्षाटीम की कार्यप्रणाली की विस्तार से चर्चा की तथा नये कानूनों से छात्राओं को परिचित कराया। उन्होनें लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की चर्चा करते हुए विभिन्न रक्षात्मक उपायों पर चर्चा की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि ऐसे आयोजन काफी महत्वपूर्ण तथा प्रेरणास्पद रहते है। छात्राओं को अब हिम्मत जुटा कर ऐसी घटनाओं का प्रतिकार करने की जरूरत है छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी छात्राओं को होने वाली विभिन्न समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि अब ऐसी घटनाओं को रोकने में हम एकजुट होगें तभी इससे बचा जा सकेगा।

देसी डे पर गरबा की धूम

महाविद्यालय में नवरात्रि के अवसर पर गरबा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रसंघ के तत्वाधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्राओं के 6 समूहों ने भाग लिया । छात्रसंघ की अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया क पारंपरिक त्योहारों के लिए छात्राओं की अभिरूचि को प्रोत्साहित करने विभिन्न आयोजन किए जा रहे है । गणेश पर्व पर माटी शिल्प कार्यशाला के बाद नवरात्रि के अवसर पर गरबा डांडिया नृत्य की स्पर्धा आयोजित की गई ।

छात्राओं ने पारंपरिक गुजराती वेशभूषा में तथा नृत्य शैली मे मनभावन नृत्य का प्रदर्शन किया । नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने कार्यक्रम का संयोजन किया तथा छात्राओं को नृत्य की बारिकियों को बतलाया ।

डॉ. ठाकुर ने कहा कि छात्राओं का उत्साह इस बात का द्योतक है कि पारंपरिक शैली वाले नृत्यों में गजब का उत्साह है । प्रतियोगिता में शबीना बानो, पूजा सोढ़ा एवं भावना दिवाकर निर्णायक थे । कार्यक्रम संयोजक ने परिणामों की घोषणा करते हुए बताया सिमरन समूह के प्रथम स्थान, भारती समूह को द्वितीय स्थान, प्रीति समूह को तृतीय स्थान प्राप्त होने की जानकारी दी । छात्रसंघ की अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा, उपाध्यक्ष कु. नेहा साहू, सचिव कु. कोमल डडसेना तथा सहसचिव कु. निकिता पांडे ने सक्रिय भागीदारी दी । इस अवसर पर कु. नेहा साहू ने मोनो प्ले प्रस्तुत किया जिसमें सामाजिक विकृतियों पर तीखा प्रहार किया । जिसे सभी ने सराहा । देसी डे के समापन पर रूचि शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया ।

इरादा नेक हो तो सफलता निश्चित :- माया बेलचंदन

6 दिवसीय स्वालंबन कार्यशाला का शुभारंभ आज हुआ जिसके अंतर्गत तीन दिवसीय कुकिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती माया बेलचंदन ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होनें कहा कि- परिश्रम व नेक इरादा से हमें सफलता मिलती है चाहे वो पढ़ाई का क्षेत्र हो या स्वालंबन का या राजनीति का। उन्होनें छात्राओं को आव्हान किया कि वे पढ़ाई में अग्रणी होने के साथ स्वालंबी भी बने तथा हुनर के लिए परिश्रम करें। आज के युग में जब तक हमारे पास डिग्री के साथ हुनर नहीं होगा हमें मंजिल नहीं मिलेगी।

उन्होनें कहा कि हमें 'बेटी' बनने का गौरव हासिल है जिसका उपयोग हम परिवार समाज व देश के लिए करें। जिला पंचायत के अंतर्गत शासन की कौशल उन्नयन के लिए बहुत सारी योजनाएँ प्रारंभ की गई है। जिसका लाभ विद्यार्थी लें जिससे उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध हो सके। उन्होनें कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे यह उनकी पहली प्राथमिकता है। कार्यशाला के माध्यम से छात्राओं में कौशल विकास का महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा प्रयास प्रशंसनीय है।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने इस अवसर पर कहा कि इस कार्यशाला से छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा जिससे वे आर्थिक रूप से लाभ उठा सकेगीं तथा कौशल उन्नयन के माध्यम से अपने पैरों पर खड़ी हो सकेगीं।

कार्यशाला में सुप्रसिद्ध शैफ सुभाष अग्रवाल प्रशिक्षण दे रहे है। आज पहले दिन उन्होनें पनीर चिल्ली, स्प्रिंग रोल, आईसक्रीम, पास्ता बनाने का विधिवत प्रशिक्षण दिया जिसे सभी ने सराहा व तारीफ की।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी कार्यशाला के आयोजन पर अपने विचार रखे तथा छात्राओं को कार्यशाला से लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन रूचि शर्मा ने किया। कार्यशाला में 500 छात्राओं ने पंजीयन कराया।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 फैक्स 0788 2212207 Email- govtgirlspgcollege@gmail.com , **Website** : www.govt.girlspgcollegedurg.com